

## विचार बिन्दु

शास्त्र पढ़कर भी लोग मूर्ख होते हैं, किन्तु जो उसके अनुसार आचरण करता है वो ही वस्तुतः विद्वान है। -अज्ञात

## त्योहारी सीज़न में ऑनलाइन धोखाधड़ी से सावधान रहें

हमारे देश में घर-घर में डिजिटल क्रांति प्रवेश कर चुकी है। अब हमारे खरीद फरोख्त के लगभग सभी काम डिजिटली होने लगे हैं। वजह से बुजुर्ग तक के हाथों में स्मार्ट फोन आने से अब शायद ही कुछ ऐसी चीज बची हो जिसके लिए आप डिजिटल पेमेंट ना करते हो। लोग केश रखने के बजाय डिजिटली पेमेंट देना ज्यादा पसंद करते हैं। इस समय देश में त्योहारी सीज़न चल रहा है जो नवंबर के प्रथम पखवाड़े तक चलेगा। इस दौरान लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। ऑनलाइन खरीदारी का जबरदस्त क्रेच बना हुआ है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे दर्जनों प्लेटफॉर्म पर जोरदार सेल का धमाका देखने को मिल रहा है। लोग धड़ाधड़ खरीदारी में जुटे हैं। प्रतिदिन लाखों-करोड़ों रुपयों की खरीदारी हो रही है। लेकिन इसके साथ ही त्योहारी सीज़न में खरीदारी के दौरान डिजिटल पेमेंट फ्राड का जोखिम भी बढ़ गया है। लोग आकर्षक तुलने वाले ऑफर्स और डिस्काउंट्स के चलते लोग भारी खरीदारी त्योहारी सीज़न में करते हैं। एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में कई बार उपभोक्ता प्लेटफॉर्म की वैधता को जांच को नजरअंदाज कर देते हैं। फ्राड होने का खतरा भी उतना ही बढ़ गया है। डिजिटल पेमेंट्स के जरिए लोगों को धोखा देकर फंसाना भी आसान हो गया है। धोखाधड़ी के तरीके भी अब काफी आसान हो गए हैं। इस बीच साइबर जालसाज भी काफी सक्रिय हो गए हैं और साइबर अपराध को अंजाम देने के लिए नए तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। उपभोक्ताओं को ऑफलाइन खरीदारी की अपेक्षा ऑनलाइन खरीदारी करना अधिक पसंद आता है। ऑनलाइन खरीदारी करना फायदेमंद होता है जहां अपनी पसंद की और कम कीमत पर कई वैराइटी देखने को मिल जाती है। लेकिन कई बार ऑनलाइन खरीदारी करना भारी भी पड़ जाता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सेल शुरू होते ही जालसाज भी सक्रीय हो जाते हैं। जो आपको एक गलती पर आपका बैंक खाता खाली कर सकते हैं। मीडिया में ऐसी घटनाओं के समाचार रोज ही पढ़ने को मिल रहे हैं। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने उपभोक्ताओं को डिजिटल पेमेंट के दौरान हर स्तर पर सावधानी बरतने की सलाह दी है ताकि साइबर फ्राड से बचा जा सके। डिजिटल पेमेंट करें तो आप खास तौर पर ध्यान रखें, जिनसे आपको फ्राड से बचने में मदद मिलेगी। आप किसी लिंक के जरिए या किसी ऐप के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हों वह ध्यान रखे यह पेमेंट सुरक्षित है या नहीं। उस कंपनी के बारे में ऑनलाइन रिव्यू चेक करें। उस वेबसाइट के बारे में पता करें। इस सीज़न में खरीदारी के दौरान सावधानी और सतर्कता बहुत जरूरी है। कहते हैं सावधानी हटी और दुर्घटना घटी।

भारत में डिजिटल पेमेंट की शुरुआत साल 2016 में हुई थी। इसके बाद लगातार देश इस क्षेत्र में अपनी बढ़त बनाये हुए है। भारत डिजिटल पेमेंट में दुनिया में नंबर वन बन गया है और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा मिल रहा है। तेजी से बढ़ता डिजिटल लेनदेन बढ़ती हुई खपत को दर्शाता है। यह डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के लिए भी अच्छा है। आरबीआई के डाटा के अनुसार देश भर में पेमेंट परफॉर्मिस और पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे में वृद्धि की वजह से डिजिटल पेमेंट की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि सभी मापदंडों में हुई है। डाटा के मुताबिक 31 मार्च 2024 तक देश भर में डिजिटल पेमेंट में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आरबीआई का डिजिटल पेमेंट इंडेक्स मार्च 2024 के अंत में 445.5 पर था, जबकि सितंबर 2023 में 418.77 और मार्च 2023 में 395.57 था। भारत में मोबाइल पेमेंट स्मार्टफोन के आने और इंटरनेट की

बढ़ती पहुंच के बाद बहुत आसान हो गया। विशेषकर युवाओं में मोबाइल से भुगतान बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। ग्लोबल डेटा के मुताबिक 2028 तक भारत में मोबाइल वॉलेट के माध्यम से भुगतान 531.8 ट्रिलियन रुपये के आंकड़े को पार करने का अनुमान है। एक अधिकृत जानकारी के अनुसार देश भर में पेमेंट परफॉर्मिस और पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे में वृद्धि की वजह से डिजिटल पेमेंट की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि सभी मापदंडों में हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले पांच महीनों में डिजिटल पेमेंट का मूल्य बढ़कर 1,669 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि के दौरान डिजिटल पेमेंट का लेन-देन 8,659 करोड़ तक पहुंच गया। यूपीआई लेन-देन का मूल्य 138 प्रतिशत की सीएजीआर पर 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 200 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा पिछले 5 महीनों में कुल लेन-देन का मूल्य बढ़कर 101 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यूपीआई ने देश में डिजिटल पेमेंट में क्रांति ला दी है जहां वित्त वर्ष 2017-18 में यूपीआई लेनदेन 92 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 129 प्रतिशत की सीएजीआर से 13,116 करोड़ हो गया है। जैसे तेज पेमेंट सिस्टम को अपनाने में तेजी लाने के प्रयासों ने वित्तीय लेन-देन के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव किया है, जिससे लाखों लोगों के लिए रीयल-टाइम, सुरक्षित और सीमलेस पेमेंट संभव हुआ है। मार्केट रिसर्च फर्म डेटाम इंटेल्जिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार इस साल त्योहारी सीज़न में ऑनलाइन बिक्री 12 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 9.7 बिलियन डॉलर से 23 प्रतिशत अधिक है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश में तीस करोड़ से ज्यादा लोग ऑनलाइन भुगतान करते हैं। दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियां जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिझाने का प्रयास करती हैं, वहीं ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं। सरकारी बैंकों सहित कई कम्पनियां और निम्ता उपभोक्ताओं को लुभावनी छूट से भी लाभान्वित कर रहे हैं। खुदरा व्यापारी ऑनलाइन सेल का विरोध कर रहे हैं और अपने व्यापार के चौपट होने की दुहाई दे रहे हैं मगर उपभोक्ता ऑनलाइन व्यापार से खुश नजर आ रहे हैं। उन्हें बाजार की धकमपेल से छुटकारा मिल रहा है। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योंकि उगी करने वाले गिरोह भी आगे हुए हैं। जो भोले भले लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड़ सकता है।

-अतिथि संपादक,  
बाल मुकुन्द ओझा  
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

## प्रजातंत्र में संसद, सड़क और संस्कृति



प्रो. कैलाश सोहानी

सैकड़ों वर्षों की गुलामी और गरीबी से मुक्ति के लिए लगभग 200 वर्षों के लम्बे संघर्ष के बाद 1947 में जाकर आजाद भारत का स्वयं साकार हुआ। आजाद भारत किस मार्ग पर चलेगा इसके लिए प्रजातंत्र के तत्कालीन आदर्शपूर्ण पुरोधायों ने भारतीय संविधान कानिमांण किया। उसी संविधान के तहत देश को देश के मतदाताओं से सुजित संसद जैसा एक शानदार तैहफा प्राप्त हुआ। संसद कोई इमारत नहीं है अपितु

भारत के मतदाताओं की भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है। इसी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ने भारतीय प्रजातंत्र को दुनियाँ की विभिन्न शासन व्यवस्थाओं में श्रेष्ठ पायदान पर पहुँचाया है। संसद पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए अपना मत एवं विचार प्रकट करने के लिए श्रेष्ठ एवं सर्वोच्च प्लेटफॉर्म है। हमारी संसद में अनेक बार महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा, परिचर्चा एवं बहस बड़ी विद्वत्तापूर्ण एवं रोचक रही है। संसद की बहस को गरिमा प्रदान करने वालों में प्रमुख है - बी.के. कृष्णामेनन, पीलू मोदी, फिरोज गाँधी, राममनोहर लोहिया, मधु लियये, सोमनाथ चटर्जी, अटल बिहार वाजपेयी, प्रमोद महानज, सुभमा स्वराज, सुधांशु त्रिवेदी। साथ ही सांसदों द्वारा आये दिन होने वाली नारेबाजी एवं बहिष्कार से संसद का बड़भूषण समय बहुत खराब होता है। इस प्रकार का शोर-शराबा संसद की गरिमा एवं हमारी संस्कृति के अनुरूप नहीं है।

संसद की गरिमा बनाये रखने की जिम्मेदारी पक्ष एवं विपक्ष दोनों की है,

इसके लिए सभी सांसदों से मर्यादित एवं अनुशासित आचरण अपेक्षित है। इस सम्बन्ध में लोकसभा अध्यक्ष से भी यह अपेक्षा रहती है कि वे विपक्ष को अपनी बात रखने का पर्याप्त समय एवं अवसर प्रदान करें। सौभाग्य से यह काम हमारे वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष बखुबी निभा रहे हैं। एतदर्थ विपक्षी सांसद उनके प्रति विश्वास एवं श्रद्धा का भाव रखते हैं। अब मैं आलेख के मूल विषय पर आता हूँ कि प्रजातंत्र में संसद के साथ-साथ सड़क की राजनीति का भी अपना महत्वपूर्ण स्थान एवं वजूद है। जब विपक्ष को यह लगता है कि संसद के माध्यम से वह अपनी बात कह नहीं पा रहा है तो फिर विपक्ष धरना, प्रदर्शन, बन्दे इत्यादि के माध्यम से सड़क की राजनीति प्रारम्भ करता है, जिसे हमारे देश में पर्याप्त प्रेस कवरेज भी मिल जाता है। अतः विपक्ष अपनी बात मतदाताओं तक पहुँचाने में सफल भी होता है। 1972-74 में जयप्रकाश नारायण का जन आन्दोलन, 1990-91 में श्री राम जन्मभूमि के लिए लालकृष्ण आडवाणी की रथ-यात्रा,

2013-14 में भ्रष्टाचार के खिलाफ अत्रा हजारे के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन, 2023-24 में राहुल गाँधी की भारत जोड़ो यात्रा आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं जो यह दर्शाते हैं कि संसद के बाहर भी अपनी बात को बहुत बेबाक तरीके से समझने के समक्ष रखा जा सकता है। संसद और सड़क की राजनीति की श्रेष्ठता के लिए हमें हमारी गौरवशाली सनातन संस्कृति को अपेक्षा याद रखना होगा। भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप ही संसद एवं सड़क पर अनुशासित संवाद एवं आचरण होना चाहिये। निःसन्देह प्रजातंत्र को जीवन्त बनाये रखने के लिए धरना, प्रदर्शन, आन्दोलन सभी आवश्यक हैं परंतु आन्दोलन में भी हमें हमारी संस्कृति एवं मूल्यों को नहीं भूलना चाहिये। आन्दोलन का मतलब अनुशासनहीनता नहीं है। जैसे किसान आन्दोलन के समय राष्ट्रीय सरकार को अवरुद्ध करना, राजस्थान में आरक्षण को लेकर रेलों के आवागमन को बाधित करना, दिल्ली के शाहीन बाग में सड़क पर

किये धरना-प्रदर्शन से महीनों तक दिल्लीवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। आन्दोलन के नाम पर आगजनी, तोड़फोड़, बाजार बन्द, चक्का जाम आदि शुद्ध अनुशासनहीनता है। यह प्रजातंत्र के दुरुपयोग के साथ-साथ हमारे सांस्कृतिक मूल्यों की अवहेलना भी है। व्यक्ति या समूह सरकार से अपनी मांगें मनवाने के लिए आन्दोलन करने के लिए स्वतंत्र हैं परंतु आम नागरिकों को उनके आन्दोलन से कोई असुविधा एवं कष्ट नहीं होना चाहिये। किसी भी प्रकार का आर्थिक नुकसान न तो किसी नागरिक को होना चाहिये और न ही सरकार को। यह देखा भी आंदोलनकारियों का कर्तव्य है। भारतीय प्रजातंत्र के अंतर्गत आने वाले नी रेलवे स्टेशनों पर भी बुनियादी सुविधाओं में इजाफा किया जा रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं

## प्रयाग महाकुंभ-2025 : सांस्कृतिक महत्व



राजेन्द्र जोशी

अमृत कहाँ बरसेगा। यह पहले से तय है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है तो कुंभ मेले का आयोजन होता है। प्रयाग का कुंभ मेला सभी मेलों में अधिक महत्व रखता है। कुंभ का अर्थ है - कला, ज्योतिष शास्त्र में कुंभ राशि का भी यही चिह्न है। कुंभ मेले की पौराणिक मान्यता अमृत मंथन से जुड़ी हुई है। इस बार कुंभ के तीर पर पेश करने की तैयारी हो रही है। इसके लिए जहाँ महाकुंभ में पॉलिथीन को प्रतिबंधित किए जाने की तैयारी है, वहीं तीन लाख पौधे भी लगाए जा रहे हैं।

इन दिनों महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन हेतु इंडिया थिंक कारोसिल भारत के विभिन्न स्थानों पर कुंभ कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है। कुंभ कॉन्क्लेव का आयोजन छोटी काशी में गोलमेज सम्मेलन का आयोजन 3 अक्टूबर 2024 को किया गया। इस कॉन्क्लेव में महाकुंभ मेले के संदर्भ में सार्थक चर्चा हुई। कुंभ मेले के सांस्कृतिक संदर्भ विषय पर इस तरह की यह पहल सराहनीय है। ऐसी चर्चा के आयोजन के लिए इंडिया थिंक एवं प्रोफेसर मनोज दीक्षित जी का आभार प्रकट करना चाहिए जिन्होंने महाराज गंगा सिंह विश्वविद्यालय में राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में

एक सार्थक चर्चा का आयोजन किया। जैसे भी बीकानेर और संगम का एक महत्वपूर्ण रिश्ता जुड़ता है, प्रयाग में तीन नदियों का संगम है, सहाँ गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम को त्रिवेणी संगम कहा जाता है। और इतिहास यह कहता है कि थार के मरुस्थल बीकानेर में कभी सरस्वती नदी का प्रवाह हुआ करता था। इस अभी सरस्वती नदी की गोद में रह रहे हैं। इसका मतलब हम भी कल्पवृक्ष का हिस्सा हैं। महाकुंभ मेला भव्य - दिव्य और नव्य थीम पर आयोजित हो रहा है। 400 मिलियन लोगों की संभावना 40 करोड़ लोग इस महाकुंभ में शामिल होंगे।

संगम की पवित्र धरती प्रयाग का महाकुंभ 13 जनवरी 2025 पौष पूर्णिमा से लेकर 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि के स्नान पर्व तक संचालित होगा। कुल 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ में देश-विदेश से हजारों-हजार श्रद्धालु प्रयागराज पहुँच रहे हैं। महाकुंभ की तैयारियाँ तेज हो गई हैं, 2025 में आयोजित होने वाले महाकुंभ को पॉलिथीन फ्री और डीन कुंभ के तौर पर पेश करने की तैयारी हो रही है। इसके लिए जहाँ महाकुंभ में पॉलिथीन को प्रतिबंधित किए जाने की तैयारी है, वहीं तीन लाख पौधे भी लगाए जा रहे हैं।

इन पौधों को सरकार संरक्षित भी करेगी। महाकुंभ के आयोजन हेतु 5154 करोड़ की 327 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इसके साथ ही 1264 करोड़ की 75 विभागीय परियोजनाओं पर भी काम प्रारंभ हो चुका है। महाकुंभ से जुड़ी सभी स्थाई और अस्थायी परियोजनाओं को अक्टूबर 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए अनुभवी अधिकारियों की टीम दिन-रात काम में जुटी है। इन प्रोजेक्ट्स पर चल रहा काम - 2019 में आयोजित दिव्य तथा बेसन वंदे की लड्डू, वनस्पती ची के नमूने लिए गए। इस दौरान श्याम प्रेमी शुद्ध मिष्ठान भंडार के यहां से केशर मावा पेड़ा, शेखावत मिष्ठान

क्षेत्रफल जहाँ बढ़ाया जा रहा है, वहीं मेले में अतिरिक्त सुविधाएँ भी मुहैया कराए जाने की तैयारी है। मेले का क्षेत्रफल बढ़ाकर 4000 हेक्टेयर कर दिया गया है। कुल 25 सेक्टर में मेला बसाया जाएगा, जबकि 1900 हेक्टेयर में छह पार्किंग बनाई जा रही है, जिसमें 5 लाख से ज्यादा वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। महाकुंभ मेले में 25000 लोगों के लिए पब्लिक अकीमोडेशन, मोटरबोट, चेंजिंग रूम, पूजा स्थल और फ्लोटिंग जेटी बनाई जाएगी। मेले में इस बार 10 डिजिटल खोया पाया केंद्र भी बनेंगे, पहली बार यमुना नदी के वीआईपी घाट पर पक्के घाट का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही दशाश्वमेध घाट पर भी पक्का घाट बन रहा है। यातायात की समस्या को देखते हुए तेलियरगंज से संगम क्षेत्र तक 13 किलोमीटर का रिक्त फ्रेट भी बनाया जा रहा है। वर्ष भर घाटों पर जल का प्रवाह बना रहे इसके लिए ड्रेजिंग भी कराई गई। महाकुंभ से जुड़ी अन्य परियोजनाओं में सड़कों और चौराहों का चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट विस्तार के साथ ही अनेक फ्लाई ओवर बनाए जा रहे हैं।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अक्षय वट, पाताल पुरी, सरस्वती कूप, हनुमान मंदिर, श्रृंगवेपुर धाम और भारद्वाज कॉरिडोर का भी निर्माण कराया जा रहा है। अक्टूबर - दिसंबर 2024 तक मेले में सभी संस्थाओं को जमीन और सुविधाओं का आवंटन कर दिया जाएगा। इस बार खास तौर पर ऑनलाइन साँफवेयर के जरिए जमीनों और सुविधाओं के आवंटन की तैयारी की गई है।

श्रद्धालुओं के लिए खास व्यवस्था - श्रद्धालु और पर्यटक सुगमता से महाकुंभ मेले में आकर सुरक्षित वापस जा सके इसके लिए तैयारी की जा रही है। एयरपोर्ट पर जहाँ एनए टर्मिनल बनाया जा रहा है, वहाँ एयरभू से लेकर महाकुंभ मेले तक पहुंचने के लिए बनाई जा रही सड़क को विश्व स्तरीय स्मार्ट रोड बनाया जा

रहा है। इस सड़क के दोनों ओर ग्रीन बेल्ट और कुंभ कलश बनाए जाएंगे। इसके अलावा सड़क किनारे आकर्षक पेंटिंग की जाएगी ताकि एयरपोर्ट से महाकुंभ मेले के अंदर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुखद अनुभूति का एहसास कराया जा सके। प्रयागराज के अंतर्गत आने वाले नी रेलवे स्टेशनों पर भी बुनियादी सुविधाओं में इजाफा किया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले को सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरों के इंतजाम कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

## खाटूश्यामजी में मिठाई की दुकानों का निरीक्षण, 360 किलो दूषित मिठाई नष्ट कराई

बिसेन के लड्डू, बेसन की चक्की दूषित मिली, सोयाबिन तेल खराब मिला

खाटूश्यामजी/सीकर, (निर्स)। दीपावली त्योहार पर आमजन को शुद्ध व ताजा खाद्य वस्तुएँ उपलब्ध हो, इसके लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा व सीएमएचओ डॉ. निर्मल सिंह के निदेशों में शुक्रवार को चिकित्सा विभाग की ओर से खाटूश्यामजी में कार्रवाई की गई। सीएमएचओ डॉ. निर्मल सिंह ने बताया कि खाटूश्यामजी में खाद्य एवं सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुये 360 किलो दूषित मिठाई की नष्ट की साथ ही बूंदी के लड्डू व सोयाबीन के नमूने लिए। एफएसओ मदनलता बाजिया, महमूद अली व नंदराम मीणा ने अंतिमा स्वीट स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान 250 किलो बेसन के लड्डू, 110 किलो बेसन की चक्की दूषित पाई गई तथा 25 लीटर सोयाबिन तेल खराब पाया गया, जिनको मौके पर ही नष्ट करवाया गया तथा बेसन वंदे की लड्डू, वनस्पती ची के नमूने लिए गए। इस दौरान श्याम प्रेमी शुद्ध मिष्ठान भंडार के यहां से केशर मावा पेड़ा, शेखावत मिष्ठान

दूषित मिठाइयों को मौके पर नष्ट कराया, "शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान" के तहत कार्रवाई की

कारोबारियों को दीपावली पर्व पर आवश्यकता से अधिक मिठाई नहीं बनाकर रहना है। आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को आगे लाकर शिक्षा देने का आभार प्रयास सराहनीय है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारत ने विश्व को बहुत से नवाचार और आविष्कार दिए हैं। आप इस महान परम्परा को आगे बढ़ाएं। ज्ञान का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं है, ज्ञान आपको आगे बढ़ाता है, आप देश

कारोबारियों को दीपावली पर्व पर आवश्यकता से अधिक मिठाई नहीं बनाकर रहना है। आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को आगे लाकर शिक्षा देने का आभार प्रयास सराहनीय है। राज्यपाल हरिभा